PROFILE

PLF, PATNA LITERARY FESTIVAL

WE NURTURE LITERATURE, ART & CULTURE

PATNA LITERARY FESTIVAL

پٹنہ لٹریری فیسٹیول

Organised by ADVANTAGE SUPPORT

A SOCIO-CULTURAL INITIATIVE
RUN BY ADVANTAGE SUPPORT

ADVANTAGE SUPPORT
CARE • CONCERN • CONTRIBUTE
Social culturalal initiative

A PLF & its rich chronicle

PATNA LITERARY FESTIVAL

(15 Major Programme Organised in Last 5 Years)

The commitment to promote art, culture and literature has been the cornerstone of our professional journey. This journey started five years ago with the launch of the Advantage Literary Festival, which later evolved into the revered Patna Literary Festival. Through the PLF's life span, we have hosted a range of events, from grand Mushairas to Kavi Sammelans, etching indelible marks on the hearts of those who cherish literature and culture.

Our endeavors have stretched across borders, fostering collaborations from the local to the global stage, including esteemed partnerships with Nawishta Tanzeem in Dubai, Andaaz-e-Bayaan Aur in Dubai, UAE, and the monumental Patna Literary Festival Women's Mushaira and Kavi Sammelan in honour of International Women's Day.

The start of our journey was marked by the successful book release event for the renowned poet Farhat Shahzad from the USA at the Bihar Urdu Academy in 2019. The overwhelming response and the palpable love for literature it garnered propelled us toward conceptualizing literary festivals in Patna, similar to those celebrated in Jaipur, Kolkata, and Mumbai.

A serendipitous call from Dubai, from the poet Ehya Bhojpuri, opened a new chapter. Recognizing our efforts in Patna, Ehya proposed a collaboration for a grand Mushaira, which culminated in a historic gathering at the Nritya Kala Mandir, attended by over 500 literature enthusiasts and graced by luminary poets like Shakeel Azmi, Azm Shakiri, Shabeena Adeeb and many more. This event paved the way for a monumental collaboration with Andaaz-e-Bayaan Aur, under the aegis of Rehaan Siddiqui, setting new benchmarks for literary festivals.

Our signature event: Advantage Rubaru: This series with dialogues on Adab and Tahzeeb, has triumphantly completed seven editions, hosting stalwarts like AM Turaz, Manoj Muntashir, Shabeena Adeeb to name a few. The series has been lauded for its significant contribution to the cultural landscape, bridging generations through the power of words.

In collaboration with the Art and Culture Department of the Government of Bihar, we've also organized musical series, including a mesmerizing concert by Ustad Shujaat Khan. On World Music Day, the PLF hosted a musical event under the theme "Healing with Music" with Pt. Rupak Kulkarni on Flute and Pt. Mithilesh Jha on Tabla which helped celebrating the rich tapestry of Indian culture.

Recently, in the month of October PLF has organized an unique dance performance named “Kalopsia”by Sina Fakhroddin from Iran & Nikolina Nikoleski , famous Balerina Dancer from Croatia. Also, on the occasion of Durga Puja, PLF has organized Purulia Chhau and musical program by Pandit Ronu Majumdar, Pandit Tarun Bhattacharya & Pandit Mithilesh Jha, this event was graced by Shri Rajendra Vishwanath Arlekar, Hon'ble Governor of Bihar.

The Patna Literary Festival (PLF) has hosted four classical cultural programs featuring celebrated artists such as Pt. Tarun Bhattacharya (santoor maestro), Mithlesh Jha (tabla vadak), Pt. Ronu Mazumdar (flutist) , the Purulia Chhau troupe, and Pt. Rupak Kulkarni (flute maestro).

PLF has also organized it's signature event Advantage RUBARU “Adab aur Tahzeeb per Guftagu,” with renowned poets including Azm Shakiri, Sapna Moolchandi, AM Turaz, Aalok Srivastav, Shabeena Adeeb, and Naghma Sahar. Additionally, Advantage Literary Festival featured a dialogue session between Ratna Purkayastha and Bollywood lyricist Manoj Muntashir.

PLF has successfully organized 15 major literary programs, including book releases of “Khalish” by Dr. Pervez Akhter and “Kahna Usey” by Farhat Shahzad. In the upcoming Advantage RUBARU event, the book “Karwat” by Santosh Singh will be launched.

The PLF has held three grand Mushairas and Kavi Sammelan featuring celebrated Urdu Hindi poets in Patna and Dubai -PLF secretary Mr. Khurshid Ahmad was felicitated and awarded in Dubai for organizing the best Mushaira. A musical concert featuring Ustad Shujat Khan's live performance also captivated Patna's audience.

The PLF, earlier known as Advantage Literary Festival, came into existence in 2018 with an objective to keep the literary tradition of Bihar alive. It was noted that most of the literary bodies were either dead or defunct and Bihar lagged far behind other states where literary activities were praise worthy. The PLF took up this cudgels to make the literary presence of Bihar felt in the country and it succeeded to some length with its incredible programs and appreciation of the literary field and literature lover people.

MEMBERS OF
PATNA LITERARY FESTIVAL

Dr. Satyajit Singh
President
Advantage Support and
Patna Literary Festival

Prof. Sunita Roy
Patron, PLF

Khurshid Ahmad
Founder & Secretary

Faizan Ahmad
Mentor & Adviser

Obaidur Rahman

Anup Sharma

Rakesh Ranjan

Pankaj Choudhary
Treasurer

Advocate Apurva Harsh

Manish Singh Thakur

Sheoji Chaturvedi

Arshad Rasheed

OUR SIGNATURE PROGRAMME

Rubaru-1 : Moderator Shakil Moin with famous Bollywood Lyricist
A M Turaz
on 7th September, 2019 at Bihar Museum, Patna

Advantage Rubaru
Adab Aur Tahzeeb par Guftagu
Episode Advantage Rubaru - 1

MEDIA COVERAGE

PATNA LITERARY FESTIVAL

RUBARU-1

दैनिक भास्कर

08-Sep-2019
Page 1

एडवांटेज लिटररी एपिसोड-2 के तहत बिहार म्यूजियम में 'एक शाम तुराज के साथ'

यूं ही बंजर रहते तुम्हारे खेत सदियों तक, मैं मिट्टी में नहीं मिलता तो...

LITERARY FEST

सिटी रिपोर्टर . पटना

शनिवार की शाम बिहार म्यूजियम का माहौल शायराना हो गया। शायराना यूं कि शब्दों ने रिश्तों और जीवन के ऊपर से लिहाफ उठाए और सच को समाज के सामने आईना कर दिया। लोग वाह-वाह कर उठे

बिहार म्यूजियम में शनिवार की 'शाम एएम तुराज के साथ' थी। उनको सुनने के लिए पटनाइट्स जब पहुंचे तो म्यूजियम हॉल में कुर्सियां कम पड़ गईं। शायरी सुनने का मिजाज देखने लायक था। यह आयोजन एडवांटेज की ओर से साहित्यिक धारावाहिक की दूसरी कड़ी थी।

कार्यक्रम के शुरू में ब्राउजर रिलीज किया गया। इसमें यह भी बताया गया कि एडवांटेज लिटररी फेस्टिवल के आयोजन में रौशन अब्बास, मनोज मुंतशिर, मुनव्वर राणा, डॉ. शकील मोईन आदि की उपस्थिति खास होगी। मुख्य अतिथि भवन निर्माण मंत्री अशोक कुमार चौधरी ने कहा कि एडवांटेज की ओर से होने वाला आयोजन जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल की तरह बने यह कामना करते हैं। बिहार म्यूजियम के डायरेक्टर युसूफ ने कहा कि बिहार म्यूजियम बाकी म्यूजियम से अलग है। यहां ऐसे आयोजनों को काफी महत्व दिया जा रहा है।

लिटररी फेस्ट में रौशन अब्बास और मुन्नवर राणा जैसे शायर होंगे खास

उन्होंने शायरी की शुरुआत की तो देर तक तरन्नुम में सुनाते रहे। लोग हर शेर पर तालियां बजाते रहे और शाम होती रही खुशनुमा। उन्होंने सुनाया-

*****

खुशी हमदम अगर होती
मुझे रोने को क्या होता,
उसे अगर पा लिया
होता तो खोने को क्या
होता।
यूं ही बंजर पड़े रहते
तुम्हारे खेत सदियों तक,
मैं मिट्टी में नहीं मिलता
तो फिर बोने को क्या
होता।

*****

उन्होंने आगे सुनाया-
जो उसने पूछा तुम्हें
याद है मेरी सूरत
तो मैंने भेज दीं उसको
जवाब में आंखें।
उनके इस शेर पर भी
खूब तालियां बजीं-
मुझसे कुछ देर तो
उम्मीद का रिश्ता रखते,
मैंने जी भर कर अभी
आपको सोचा भी नहीं।

*****

ब्राउजर रिलीज करते मंत्री अशोक चौधरी, एम तुराज व अन्य गणमान्य लोग।

2002 में देहरादून एक्सप्रेस से मुंबई चले गए, सवा साल तक झूठ बोल कर पिता से रुपए मंगाते रहे

एडवांटेज सपोर्ट के अध्यक्ष डॉ. ए.ए. हई ने कहा कि यह साहित्यिक आयोजन मील का पत्थर साबित होगा। कला, साहित्य और संस्कृति व्यक्ति के निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर एमएम तुराज के साथ बातचीत की शकील मोईन ने। उन्होंने जब यह कहा वे इबादतों की तरह संचालन का काम करते हैं तो तालियां बज उठीं। तुराज ने बातचीत में कहा कि

साहित्य की तालीम बहुत जरूरी है। 2002 में देहरादून एक्सप्रेस से मुंबई चला गया और फिर वहां फिल्म इंडस्ट्री खोजने में 8-9 महीने लग गए। वे सवा साल तक घर से झूठ बोल कर पिता से रुपए मंगाते रहे। पिता सब जानते हुए रुपए भेजते रहे। इस अवसर पर एडवांटेज के सेक्रेटरी खुर्शीद अहमद, एसबीआई के सीजीएम महेश गोयल, कवि लेखक दिलीप कुमार के अलावे डॉ. तलत हलीम, मनीष कुमार, सुनील कुमार, वासिम इमाम, डॉ. अजय कुमार, डॉ. एन.के. लाल, फैजान अहमद, ओबेदुर रहमान, अरशद रसीद, अनवारुल होदा, फहीम अहमद आदि की उपस्थिति खास रही।

रविवार 08 सितम्बर 2019

पटना में ए. एम. तुराज

आखिरकार इंतजार की घड़ियां खत्म हुई। बॉलीवुड युवा गीतकार व स्क्रिप्ट राइटर ए. एम तुराज मंच पर आए और देखते-देखते छा गए। शेर-ओ-शायरी का दौर भी चला और अदब, तहजीब की बातें भी हुई। कुछ फिल्मी गपशप हुई और ढेर सारी व्यक्तिगत बातें भी। बिहार म्यूजियम में 'एक शाम ए. एम तुराज के साथ' कार्यक्रम कैसा रहा, आप भी पढ़िए...।

18 वर्षों से लेखन कार्यों से जुड़े हैं ए.एम. तुराज

शायरी का दौर चला, अदब की बातें भी हुई

हिन्दुस्तान
लाइव रिपोर्ट

पटना | वरीय संवाददाता

इबादत की तरह मैं यह काम करता हूं/ मेरा उसूल है पहले सलाम करता हूं...इतना कहकर डॉ. शकील मोइन ने मंच संभाला और अपनी शेर-ओ-शायरी से माहौल बनाने लगे। फिर कहने लगे, शायरी की जुबान मोहब्बत की जुबान है...। आज हमारे शहर में बॉलीवुड के चर्चित युवा गीतकार, स्क्रिप्ट राइटर ए.एम तुराज आए हैं...। ये कुछ अपनी सुनाएंगे और फिर देखते-देखते बिहार म्यूजियम सभागार में एक अलग ही माहौल बन गया।

पहले भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी, एडवांटेज सपोर्ट के अध्यक्ष डॉ. एए हई, सचिव खुर्शीद अहमद, म्यूजियम निदेशक युसूफ, महेश गोएल सहित अन्य लोगों ने साथ मिलकर स्मारिका का विमोचन किया। मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि अब पटना बदल रहा है। आर्ट और कल्चर पर बढ़िया काम हो रहा है। यह सिलसिला चलते रहना चाहिए...और इसके ए. एम तुराज और डॉ. शकील मोइन मंच पर आकर बैठे। सवाल-जवाब और शेरो-शायरी का दौर शुरू हो गया। इस अवसर पर एसबीआई के सीजीएम महेश गोयल लेमन ट्री होटल के सीएमडी सुनील कुमार, पारस हॉस्पिटल के रिजिनल डायरेक्टर डॉ. तलत हलीम, फैजान अहमद, ओबुदर रहमान, अरशद रसीद, अनावारूल होदा, फहीम अहमद सहित कई लोग उपस्थित थे।

दिल की बात सबके साथ... : पद्मावत, बाजीराव मस्तानी, वजीर, जैक पॉट, गुजारिश, चक्रव्यूह, सहित कई फिल्मों में अपनी गीत लिख चुके हैं ए.एम. तुराज। पद्मावत फिल्म के सभी गीत तो इन्होंने ही लिखे हैं। ए.एम. तुराज शनिवार शाम राजधानी के दर्शकों से रू-ब-रू हुए। इतने सहज, सरल अंदाज में हर कोई इनका मुरीद हो गया। शकील मोइन ने कुछ सवाल पूछे-जैसे उनकी मुंबई की यात्रा, गॉडफादर कौन, सेंसर बोर्ड के सदस्य हैं, गीतों की अश्लीलता पर क्या कहेंगे...। इन सभी सवालों के जवाब तुराज ने बेबाकी से दिए। सारे जवाब उन्हीं की जुबानी पढ़िए...।

बहुत शुक्रगुजार हूं आप सबका...। आपने जो इज्जत दिया, मैं इसके लायक नहीं हूं। एक छोटा राइटर हूं। मेरी राइटिंग की उम्र 18 साल है। बात उन दिनों की है जब मैं मुजफ्फरनगर के संभलखेड़ा गांव में रहता था। पढ़ाई चल रही थी। मेरा मानना है कि हर घर में साहित्य और आर्ट का होना बहुत जरूरी है लेकिन मेरे घर में ऐसा कुछ था नहीं। हां, मेरे वालिद साहब मुझे मुशायरे में ले जाया करते थे। मुशायरा सुनने के बाद मुझे लगता था कि मैं भी कुछ कहूं। मुझे लगा कि मेरी कोई बात सुनेगा नहीं। फिर मैंने तय किया कि शायरी के द्वारा ही अपनी बातें लोगों के बीच रखूंगा और एक दिन मैंने मुंबई की ट्रेन पकड़ ली। मुंबई में मेरा कोई गॉडफादर नहीं था...। यह 2002 की बात है। मुंबई सेंट्रल पर गाड़ी रुकी लेकिन विश्वास कीजिए फिल्म इंडस्ट्री तक पहुंचने में मुझे एक साल लग गया। आठ महीने तक तो अंधेरी तक ही रहा। घरवालों से कहता रहा कि काम हो रहा है। मेरे वालिद साहब सालभर तक घर से पैसे भेजते रहे। बाद में उन्होंने कहा कि हमें पता था कि तुम झूठ बोल रहे हो, लेकिन तुम्हारा जुनून देखकर यह विश्वास था कि एक दिन तुम जीत हासिल करोगे। ब्याज सहित सब मिल जाएगा...। इस्माइल दरबार से मिला। मेरे गीत पसंद आए। उन्होंने मेरी मदद की। संजय लीला भंसाली से मिलवाए और इसके बाद कई फिल्मों में उनके साथ काम करने का मौका मिला। ऐसे में कहूंगा कि अपने बच्चों पर भरोसा कीजिए। दूसरी तरफ युवाओं से कहूंगा कि आपका चुनाव किसी खास काम के लिए हुआ है तो उस पर खरा उतरिए। मैंने शुरू से तय किया था कि मेरे गीत ऐसे होंगे जिस पर किसी को शर्म न आए। मेरा यह भी मानना है कि दुनिया की कोई भी तरक्की मोहब्बत के बिना मुमकिन नहीं है। इश्क के हर दौर का अपना मजा है... आज का इश्क स्पीड में है...सदियों का सफर लम्हों में तय हो रहा है...बस तौर-तरीके बदल गए हैं लेकिन हमें सोचना है कि क्या गलत, क्या सही है। हां, मैं सेंसर बोर्ड का सदस्य भी हूं और मेरा मानना है कि अश्लीलता पर रोक लगनी चाहिए। आज कुछ लोग बहक जा रहे हैं।

बिहार म्यूजियम में बोलते ए.एम. तुराज और उनको सुनते राजधानी के गणमान्य।

- बिहार म्यूजियम में पहुंचे बॉलीवुड के गीतकार, स्क्रिप्ट राइटर ए.एम. तुराज
- बाजीराव मस्तानी, पद्मावत सहित कई फिल्मों में गीत लिखे हैं तुराज ने

बिहार म्यूजियम में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में पुस्तिका का विमोचन करते अतिथिगण। • हिन्दुस्तान

शायरी से दिल जीता

खुशी हमदम अगर होती मुझे रोने का क्या होता
उसे गर पा लिया होता तो फिर खोने का क्या होता
वो मुझसे दूर न होते मैं उनसे दूर न होता
मैं जब-जब थक कर रुकता हूं, वो कंधे चीख उठते हैं...

किसी के जिस्म से लिपटी थी ख्वाब में आंखें
नजर गुनाह में थी और सवाब में आंखें
जो उसके चेहरे को देखा, तो यूं लगा जैसे
कि टांक दी है खुदा ने गुलाब में आंखें...

वे कब मिले थे कहां पर बिछड़ एक मुझसे
लगी हुई है अभी तक हिसाब में आंखें...
दिल कई दिनों से तेरे नाम पर धड़का भी नहीं था
और तेरी याद भी ना आयी, नहीं ऐसा भी नहीं...

जितनी शिद्दत से भुलाता हूं हर रोज तुझे
इतनी शिद्दत से तो मैंने तुम्हे चाहा भी नही
मुझे तो कुछ देर तक उम्मीद का रिश्ता रखते
मैंने जी भरके अभी आपको सोचा भी नहीं...।

Hindustan – 08.09.2019

Advantage Rubaru

Adab Aur Tahzeeb par Guftagu

Episode Advantage Rubaru - 2

Rubaru -2 : Moderator Ratna Purkayastha with popular Bollywood Lyricist & Script writer

Manoj Muntashir

on 24th November, 2019 at Premchand Rangshala, Patna

MEDIA COVERAGE

PATNA LITERARY FESTIVAL

RUBARU-2

Hindustan – 25.11.2019

लिटरेरी फेस्टिवल सीजन-3

- प्रेमचंद रंगशाला में बॉलीवुड के गीतकार मनोज मुंतशिर ने खुलकर बातें की
- एडवांटेज सपोर्ट के आयोजन में सारेगामा के विजेता मो. वकील की गायकी भी

सपने हमारे अक्सर औकात से बड़े थे...

पटना | वरीय संवाददाता

इश्क-मोहब्बत की बातें करते रहे...अहसास की स्याही से दिल की कहानी उकेरते रहे... प्रेमिका की याद में नज्म सुनाते रहे...गजलों में बहते रहे...रूमानियत की दुनिया में सबको बहाते रहे...कभी बचपन की बातें...कभी जवानी की यादें...कभी बॉलीवुड का सफर सुनाते रहे...करीब सवा घंटे तक अपने अंदाज से सबको मुरीद बनाते रहे। जी हां, बॉलीवुड के चर्चित युवा गीतकार मनोज मुंतशिर प्रेमचंद रंगशाला की शाम को यादगार बनाते रहे।

एडवांटेज सपोर्ट की ओर आयोजित लिटरेरी फेस्विल सीजन-3 में रविवार शाम मनोज मुंतशिर ने अपने अंदाज से सबका दिल जीत लिया। फिर सारेगामा 1997 के विजेता मो.वकील ने अपनी गायकी से सबको झूमा कर रख दिया।

शाम शानदार रही : दीप जलाकर शब्द और सुरों की महफिल का आगाज हुआ। युवा गायिका स्नेहा रैशन ने खूबसूरत आवाज में ज्योति कलश छलके...गाकर माहौल को शानदार बनाया। फिर जाने-माने शायर सुल्तान अख्तर को एडवांटेज सपोर्ट की ओर से 'लाइफ टाइम एचिवमेंट' अवार्ड से शिक्षा मंत्री कृष्ण नंदन प्रसाद ने सम्मानित किया। फिर स्टेज पर बॉलीवुड के जाने-माने गीतकार और स्क्रीप्ट राइटर मनोज मुंतशिर की शानदार इंट्री हुई। अपने चर्चित गीतों के साथ वे मंच पर आए और देखते-देखते छा गए।

रविवार को आयोजित लिटरेरी फेस्विल सीजन-3 में मंचासीन अतिथिगण।

मुंतशिर के कुछ चर्चित गीत

- तेरी मिट्टी में मिल जावां, गुल बनके मैं खिल जावां...
- हम फिर भी तुमको चाहेंगे, इस चाहत में मर जाएंगे...
- कौन तुझे यूं प्यार करेगा, जैसे मैं करती हूं...
- तेरे संग यारा खुश रंग बहार...
- तेरे रश्के कमर...
- सोचता हूं कि वो कितने मासूम थे, क्या से क्या हो गए...

लिटरेरी फेस्टिवल सीजन-3 की कुछ और बातें

- तीन युवा प्रियम, अश्विनी और पूजा ने अपनी-अपनी कविताएं सुनाईं और आखिर में दर्शकों की पसंद पर प्रियम को विजेता घोषित किया गया।
- शिक्षा मंत्री कृष्ण नंदन प्रसाद वर्मा, विधानपरिषद के सभापति हारुन रशीद, सांसद मो जावेद, पूर्व सांसद शकील अहमद, एडवांटेज सपोर्ट के अध्यक्ष डॉ.एए हई, सचिव खुर्शीद अहमद सहित कई लोग उपस्थित थे।

प्रेमचंद रंगशाला में रविवार को एडवांटेज सपोर्ट की ओर से आयोजित लिटरेरी फेस्विल सीजन-3 में बातें करते बॉलीवुड के चर्चित युवा गीतकार मनोज मुंतशिर।

मॉडरेटर रत्ना पुरकायस्था के साथ इस अंदाज में उनकी बातचीत हुई कि पूछिए मत। बातचीत में मनोज मुंतशिर ने कहा- जूते फटे पहने थे/ आसमान पर चढ़े थे/ सपने हमारे अक्सर/औकात से बड़े थे...करीब सवा घंटे की बातचीत के बाद मनोज मुंतशिर विदा लिए तो मो. वकील मंच पर आए और मेरे रश्क-ए-कमर, हंगामा क्यों है बरपा... और होठों से छू ले मेरे गीत...सुनाकर एक अलग ही रंग जमा दिए।

मनोज मुंतशिर ने क्या खूब कहा...: छोटे शहरों में रहनेवाले लोग ही बड़े सपने देखने की हिम्मत रखते हैं। औकात से बड़े सपने...हम भी देखे और पूरा करने के लिए निकल गए मुंबई...हां, मेरा मूल नाम मनोज शुक्ला है। मेरे पिताजी जनेऊधारी ब्राह्मण हैं।

छह महीना किसानी करते हैं और बाकी समय में शादी-विवाह कराते हैं। जब हमने अपने नाम में 'मुंतशिर' (बिखरा हुआ) जोड़ा, तो उन्होंने कहा कि धर्म तो नहीं बदल लिए हो...लेकिन विरोध कुछ नहीं किए। मैं अपने गांव से इलाहाबाद पढ़ने जा रहा था। ट्रेन प्रतापगढ़ में खराब हो गयी। हमने स्टेशन से पहली बार साहिर लुधियानवी की 18 रुपये की किताब खरीदी और जब तक मैं इलाहाबाद पहुंचता, मेरा दिल मुंबई पहुंच चुका था...। 12वीं कक्षा में इश्क का रोग लगा और 12 वीं में उर्दू सीखी। फिर उर्दू में लिखने-पढ़ने लगा। उर्दू तो सबकी है। जो लोग कहते हैं कि हिंदी हिन्दुओं की है, उर्दू मुसलमानों की है, वे बदतमिजी करते हैं, जाहिलों जैसी बातें करते हैं...। हमारी मिली-जुली संस्कृति है, इसे कोई बांट नहीं सकता...। फिल्मों के लिए गीत लिखना बहुत कठिन है...। आज हम सब वेस्टर्न की तरफ देखते हैं, जबकि हमारे पास आचार्य चतुरसेन हैं, महाभारत है, रामायण है, साहिर हैं, गालिब हैं, फैज हैं...।

Rubaru-3 : Eminent TV Anchor Naghma Sahar with famous Poet

Shabeena Adeeb

on 13th March, 2021 at Hotel Maurya, Patna

Advantage Rubaru
Adab Aur Tahzeeb par Guftagu
Episode Advantage Rubaru - 3

MEDIA COVERAGE

PATNA LITERARY FESTIVAL

RUBARU-3

शायरा शबीना अदीब ने संगीतमय प्रस्तुति से जीत लिया दर्शकों का दिल

पटना | कार्यालय संवाददाता

पटना में शायरी, अदब और तहजीब के विभिन्न आयामों से सजी यादगार महफिल। पटना लिटरेरी फेस्टिवल में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शायरा शबीना अदीब ने अपने अंदाज-ए-बयान और संगीतमय प्रस्तुति से अजीमाबाद के साहित्य और शेर-ओ-शायरी के कद्रदानों का दिल जीत लिया।

एडवांटेज सपोर्ट के तत्वावधान में आयोजित लिटरेरी फेस्टिवल के रूबरू कार्यक्रम में शबीना अदीब की शायरी और प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। शायरी, गजल और अदबो-आदाब से सजी इस महफिल

नज्म सुनातीं शबीना अदीब।

का आगाज सूबे के शिक्षा मंत्री विजय कुमार चौधरी, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान, एडवांटेज सपोर्ट के अध्यक्ष प्रतिष्ठित चिकित्सक डाक्टर अब्दुल हई और सचिव खुर्शीद अहमद ने दीप प्रज्जवलित कर किया।

सुप्रसिद्ध टीवी एंकर नगमा सहर ने शबीना अदीब से उर्दू शायरी, तहजीब, गंगा जमुनी संस्कृति और भाग दौड़ की जिंदगी में शायरी से मिलते सुकून के मुद्दे पर सार्थक और प्रेरक संवाद किया। इस दौरान मौजूद दर्शक पूरी तल्लीनता से इन्हें सुनते रहे। शबीना अदीब की मशहूर गजल ''खामोश लब है झुकी हैं पलकें, दिलों में उलफत नयी-नयी है, अभी तकल्लुफ है गुफ्तगू में अभी मोहब्बत नयी-नयी है... सुनाकर खूब वाहवाही लूटी।

राजधानी के एक होटल में रविवार को आयोजित पटना लिटरेरी फेस्टिवल में पहुंचे लोगों को संबोधित करते विजय चौधरी।

Hindustan – 14.03.2021

तुम्हारा लहजा बता रहा है, तुम्हारी दौलत नई-नई है ...

जागरण संवाददाता, पटना : पटनावासियों के लिए शनिवार की शाम बेहद खास रही। शायरी, अदब और तहजीब की महफिल सजी थी। इसमें चार-चांद लगाने के लिए अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शायर शबीना अदीब व न्यूज एंकर नगमा सहर दर्शकों से मुखातिब थीं। शहर के होटल मौर्या में एडवांटेज सपोर्ट के तत्वाधान में आयोजित लिटरेरी फेस्टिवल के 'रूबरू' कार्यक्रम में कुछ ऐसा ही दृश्य देखने को मिला। कार्यक्रम का उद्घाटन शिक्षा मंत्री विजय कुमार चौधरी, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के मंत्री मोहम्मद जमा खान, जस्टिस सुधीर सिंह, एडवांटेज सपोर्ट के अध्यक्ष व

'रूबरू' कार्यक्रम में शायर शबीना अदीब से सवाल करती नगमा सहर। ● जागरण

चिकित्सक डॉ. अब्दुल हई, सचिव खुर्शीद अहमद ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि आयोजन हमें अदब और तहजीब सिखाता है। सियासत में भी इन चीजों की जरूरत है। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग मंत्री मोहम्मद जमा खान ने कहा कि इस प्रकार का आयोजन समाज में प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देता है। डॉ. हई ने कहा कि इस कार्यक्रम को लेकर छह महीने से तैयारी चल रही थी। अदब और तहजीब विषय पर शायर शबीना अदीब लोगों से रूबरू थीं। जबकि उनसे बातचीत न्यूज एंकर नगमा सहर कर रही थीं। शबीना अदीब ने कहा कि उर्दू प्रेम की जुबान है। उर्दू के प्रति प्रेम अजीमाबाद में खूब देखने को मिलता है। उर्दू हमें मोहब्बत की भाषा सिखाती है। अदीब ने उर्दू की महत्ता पर 'न मिटी थी, न मिटी है, न मिटेगी उर्दू' पेश कर सभी का दिल जीता। शायर अदीब ने 'खामोश लब है झुकी हैं पलकें, दिलों में उल्फत नई-नई है, जो खानदानी रईस हैं वो मिजाज रखते हैं नर्म अपना, तुम्हारा लहजा बता रहा है, तुम्हारी दौलत नई-नई है..' पेश कर सभी का दिल जीता।

Dainik Jagran - 14.03.2021

PATNA LITERARY Festival [PLF]
ORGANIZED BY ADVANTAGE SUPPORT

Rubaru-4 : With Eminent Poet

Kunwar Jawed & Moderator Shakil Moin

on 27th March, 2022 at Bhartiya Nritya Kala Mandir Auditorium, Patna

Advantage Rubaru
Adab Aur Tahzeeb par Guftagu
Episode Advantage Rubaru - 4

MEDIA COVERAGE

PATNA LITERARY FESTIVAL

RUBARU-4

मेरी आंखों मे पढ़ी जाए वतन की खुशबू, कौन हूं मुझसे मेरा नाम न पूछा जाये...

पटना, मुख्य संवाददाता। हर कोई देश में बस चरखा चला लेने से, नेता बन सकता है गांधी तो नहीं बन सकता। इस रचना से रविवार को राजधानी के भारतीय नृत्य कला मंदिर में एडवांटेज रूबरू दो का आगाज कुछ इस तरह हुआ। पटना लिटरेली फेस्टिवल के तहत आयोजित इस खूबसूरत शाम को अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शायर शायर कुंवर जावेद ने अपनी शानदार शायरी और कहन से जानदार बना दिया।

कोई हिंदू की इस्लाम न पूछा जाये, मरने के बाद का अंजाम न पूछा जाये, मेरी आंखों मे पढ़ी जाए वतन की खुशबू, कौन हूं मुझसे मेरा नाम न पूछा जाये.. इस रचना ने तो श्रोताओं को आनंदित कर दिया। शायर कुंवर

नृत्य कला मंदिर मे एडवांटेज रूबरू-2 के दौरान पुस्तक का लोकार्पण करते लिटरेरी फेस्टिवल के सचिव खुर्शीद अहमद व अन्य।

जावेद ने अपनी रचनाओं में देशप्रेम, गंगाजमुनी तहजीब, साहित्य, समाज और देश की स्थिति पर प्रकाश डाला। कोटा से आये मशहूर शायर ने तंज करने हुए जैसे ही यह रचना पढ़ी कि मजाक देखिए इससे ज्यादा क्या होगा, दोरंगे लोग तिरंगे की बात करते हैं... सभागार तालियों से गूंज उठा। गंगा और तिरंगा से अपने प्रेम को शायर ने कुछ यूं कहा - नहाना चाहूं तो गंगा नसीब हो मुझको, मैं यूं मरूं कि तिरंगा नसीब हो मुझको..। हर एक तख्त से हर ताज से लड़ जाती है, कोई भी राज हो हर राज से लड़ जाती है, हमारे देश की हालत को कितना जानते हो, सुहाग के लिये यमराज से लड़ जाती है इस रचना से उन्होंने नारी शक्ति का अप्रतिम उदाहरण पेश किया।

इससे पहले पटना लिटरेरी फेस्टिवल रूबरू टू का उद्घाटन करते हुए फेस्टिवल के अध्यक्ष व सर्जन डा. एए हई ने कहा कि आने वाले दिनों में रूबरू के अन्य संस्करणों का इसी प्रकार आयोजन होगा। इस खास मौके पर जस्टिस समरेंद्र प्रताप सिंह, शकील अहमद खान, डा. एए हई ने रोज माइन ग्रुप के चेयरमैन अवैस अंबर और अबू दोजानी को सम्मानित किया। कार्यक्रम के आरंभ में ही शकील अहमद खान के पुत्र आयान जाहिद खान ने अपनी कविताएं भी पेश की। वहीं कार्यक्रम के दौरान डॉ. परवेज अख्तर की किताब खलिस और एक अन्य पत्रिका का विमोचन किया। पटना लिटरेरी फेस्टिवल के सचिव खुर्शीद अहमद ने कहा कि आने वाले दिनों में इस प्रकार आयोजन राजधानी में होते रहेंगे। अक्टूबर-नवंबर में मुशायरा का आयोजन होगा। यह आयोजन नृत्य कला मंदिर के ओपन थियेटर में होगा। रूबरू तीन में मशहूर शायर आलोक श्रीवास्तव को निमंत्रित किये जाने की घोषणा की। इस मौके पर फैजान अहमद, फहीम अहमद, एजाज हुसैन, मोहम्मद शमीम, प्रो. इम्तियाज अहमद, चंद्रकांता खान, शिवजी चतुर्वेदी, अनूप शर्मा आदि मौजूद रहे। फेस्टिवल की सदस्य फरहा खान ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

Hindustan- 28 March 2022

शायर कुंवर जावेद की शायरी और सफर की दास्तान सुन मोहब्बत में डूबे श्रोता

लिटरेरी फेस्टिवल के तहत एडवांटेज रूबरू-2 कार्यक्रम हुआ

सिटी रिपोर्टर। पटना

वो कोई युग हो कोई वक्त या कोई मौसम मोहब्बतों की जुबाने नहीं बदलती हैं, किसी भी पार्टी के हों मिलो-जुलो सबके बदलते चश्में हैं आंखें नहीं बदलती हैं...कोटा से आए शायर कुंवर जावेद के इन्ही पंक्तियों के साथ पटना लिटरेरी फेस्टिवल के तहत रविवार की शाम एडवांटेज रूबरू -2 कार्यक्रम शुरू हुआ। भारतीय नृत्य कला मंदिर में शायर कुंवर जावेद ने अपनी शायरी और इसके सफर की दास्तान के साथ समाज, देश, साहित्य और दुनिया के बदलते चेहरे को लोगों के बीच जाहिर किया। वहीं आतंकवाद और उग्रवाद पर जहां उन्होंने प्रहार किए तो दूसरी ओर शृंगार रस की कविताएं भी सुनाईं। साथ ही मौके पर शायर डॉ. शकील मोईन ने अपनी नज्म पेश की और देश, साहित्य एंव समाज आदि विषयों पर कुंवर जावेद से गुफ्तगू की। कार्यक्रम में जस्टिस समरेंद्र प्रताप सिंह और विधायक शकील अहमद खान मौजूद रहे। साथ ही मौके पर पटना लिटररी फेस्टिवल समिति के सदस्य डॉ. परवेज अख्तर की किताब खलिस और सोविनियर का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में रोज माइन ग्रुप के चेयरमैन अवैस अंबर और अबू दोजानी को जस्टिस समरेंद्र प्रताप सिंह, शकील अहमद खान और डॉ. एए हई ने सम्मानित भी किया।

पटना लिटररी फेस्टिवल के सचिव खुर्शीद अहमद ने कहा कि आने वाले समय में ऐसे कई खूबसूरत प्रोग्राम आयोजित होंगे, जिसमें अक्टूबर-नवंबर में मुशायरा होना है।

Dainik Jagran- 28 March 2022

ADVANTAGE Rubaru
ADAB AUR TAHZEEB PER GUFTAGU

PATNA LITERARY FESTIVAL

Rubaru-5 with noted Hindi Poet

Aalok Shrivastav

on 14th September, 2022 at Bhartiya Nritya Kala Mandir Auditorium, Patna

Advantage Rubaru

Adab Aur Tahzeeb par Guftagu

Episode Advantage Rubaru - 5

Azm Shakiri and Sapana Moolchandani in Conversation with Naghma Sahar

30th April, 2023 at Bihar Museum Auditorium, Patna

Advantage Rubaru
Adab Aur Tahzeeb par Guftagu
Episode Advantage Rubaru - 6

MEDIA COVERAGE

PATNA LITERARY FESTIVAL

RUBARU - 6

'दोस्ती हो और रंजिश भी, मुझको ऐसा हुनर नहीं आता'

पटना, मुख्य संवाददाता। दोस्ती भी हो और रंजिश भी, मुझको ऐसा हुनर नहीं आता... मशहूर शायरा सपना मूलचंदानी ने जब रविवार को बिहार संग्रहालय में यह शेर पढ़ा तो पूरी महफिल तालियों से गूंज उठी।

मौका था पटना लिटरेरी फेस्टिवल एडवांटेज रूबरू कार्यक्रम 6 के मुख्य आयोजन का। इस मौके पर बिहार संग्रहालय रविवार को बेहतरीन शाम का गवाह बना। इस कार्यक्रम में शायर अज्म शाकिरी और सपना मूलचंदानी में तहजीब और शायरी की कुछ ऐसी मिसाल पेश की कि पूरी शाम शानदार हो गई। एंकर नगमा सहर ने इन दोनों शायरों से बातचीत की। मौके पर उर्दू के क्षेत्र में विशेष योगदान देने के लिए वरिष्ठ कवि नाशाद औरंगाबादी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जल संसाधन एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री संजय कुमार झा, विशिष्ट अतिथि बिहार संग्रहालय के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह, डॉक्टर एए हई, संस्थापक सचिव खुर्शीद अहमद मौजूद रहे। इस मौके पर मंत्री संजय झा ने कहा कि पटना लिटरेरी फेस्टिवल का यह आयोजन शानदार रहा। ऐसे आयोजनों से शहर की रौनक बढ़ती है। अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि संग्रहालय में इस तरह का आयोजन खुशी और गर्व की बात है। डॉक्टर हई ने कहा कि पटना की अलग ही सांस्कृतिक पहचान रही है। मौके पर मशहूर शायर अज्म शाकरी ने अपनी मशहूर शायरी दिल में हसरत कोई बची ही नहीं, आग ऐसी लगी बुझी ही नहीं, हमने जब खुद को बेनकाब किया, फिर किसी की नजर उठी ही नहीं से शुरुआत की। शायर सपना मूलचंदानी ने कहा कि सोशल मीडिया ने युवा को शायरी से जोड़ा है।

खुर्शीद अहमद ने कहा कि पटना लिटरेरी फेस्टिवल एडवांटेज रूबरू की तरफ से कई संस्करणों का आयोजन हो चुका है। अगस्त में पटना में बड़ा मुशायरा किया जायेगा, जिसमें अज्म शाकरी, रेहान सिद्दीकी, नदीम शाह, सपना मूलचंदानी, नगमा नूर व अन्य कई शायर मौजूद होंगे।

बिहार संग्रहालय में कार्यक्रम का उद्घाटन करते मंत्री संजय झा व अंजनी कुमार सिंह, साथ में खुर्शीद अहमद, डॉ. एए हई व अन्य।

Hindustan - 01 May 2023

Advantage Rubaru
Adab Aur Tahzeeb Per Guftagu

Alok Srivastav and Farhat Ehsas in Conversation with Prerna Pratap

14th January, 2024 at Bihar Museum Auditorium, Patna

Advantage Rubaru
Adab Aur Tahzeeb par Guftagu
Episode Advantage Rubaru - 7

MEDIA COVERAGE

PATNA LITERARY FESTIVAL

RUBARU - 7

कार्यक्रम | कला संस्कृति व युवा विभाग व पटना लिटरेचर फेस्टिवल की ओर से रूबरू-7 का आयोजन, शायर फरहत के एहसास ने मन को छुआ, आलोक ने शायरी से जलाए दिल के दीप

जिन्हें चेहरा बदलना है बदल लें, मैं अब परदा उठाने जा रहा हूं...

पटना, मुख्य संवाददाता। मैं बिछड़ों को मिलाने जा रहा हूं, चलो दीवार ढाने जा रहा हूं, करोड़ों खुश्क लब हैं साथ मेरे, समंदर को सुखाने जा रहा हूं, मुसलसल आसुओं की फौज लेकर मैं सूरज को बिछाने जा रहा हूं, जिन्हें चेहरा बदलना है बदल लें, मैं अब परदा उठाने जा रहा हूं।

मशहूर शायर और जश्न ए रेख्ता के संस्थापक फरहत एहसास ने जैसे ही यह गजल पढ़ी, बिहार संग्रहालय का सभागार तालियों से गूंजने लगा। मौका था एडवांटेड रूबरू 7 दो शायर एक शाम कार्यक्रम का। कला संस्कृति व युवा विभाग और पटना लिटरेचर फेस्टिवल की ओर से आयोजित एक खूबसूरत शाम का गवाह शनिवार को पटना के लोग बने। दो नामचीन शायर

- पीएलएफ के नए लोगो को लॉन्च किया गया
- दो घंटे तक चले कार्यक्रम को लोगों ने धैर्य से सुना

फरहत एहसास और आलोक श्रीवास्तव से एंकर प्रेरणा प्रताप ने बातचीत की। दो घंटे तक चले इस कार्यक्रम को लोगों ने बेहद संजीदगी से सुना। मौके पर पीएलएफ के नए लोगो को लॉन्च किया गया। कला संस्कृति विभाग की अपर मुख्य सचिव हरजोत कौर, बिहार म्यूजियम के डीजी अंजनी कुमार सिंह, पीएलएफ के सचिव खुर्शीद अहमद और पीएलएफ की संरक्षिका प्रो.सुनीता राय व अन्य मौजूद थे। हरजोत कौर ने कहा कि विभाग का मुख्य उद्देश्य बिहार की कला और संस्कृति को संजोकर रखना है। जल्द ही विभाग और पीएलएफ हाथ मिलाने जा रहा है। इससे साल भर ऐसे कार्यक्रम होंगे। मुख्य अतिथि बिहार म्यूजियम के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि खुर्शीद अहमद का आइडिया अच्छा था। पहले कलाकार शायर और कवि ऐसा मानते थे कि पटना में परफॉर्म नहीं किया तो सफलता नहीं मानी जायेगी। यह शहर लोगों की सफलता का मानक भी तय करता रहा है।

शनिवार को बिहार संग्रहालय में एडवांडेज मीडिया की ओर से 'दो शायर एक शाम' में लोगो का लोकार्पण करते बिहार म्यूजियम के डीजी अंजनी कुमार सिंह, कला संस्कृति विभाग की अपर मुख्य सचिव हरजोत कौर और खुर्शीद आलम। • हिन्दुस्तान

सहयोग मिलने से काफी खुशी : खुर्शीद अहमद

खुर्शीद अहमद ने कहा कि कला संस्कृति व युवा विभाग का सहयोग मिलने से खुशी है। बिहार म्यूजियम के डीजी अंजनी सिह व आईएएस दीपक सिंह का धन्यवाद दिया। कहा कि किसी भी शहर को अगर अच्छा करना है तो स्पोर्ट्स व लिटरेचर फेस्टिवल बेहतर माध्यम है। एडवांटेज रूबरू 8 की तैयारी हो चुकी हैं, यह 24 फरवरी को होगा। इसमें वसीम बरेलवी साहब आएंगे। मौके पर बज्म-ए-सदफ के संस्थापक जनाब शहाबुद्दीन अहमद, लखनऊ से शाह आलम, मो. अफताब कुरैशी, कवि शाहिद कमाल व अब्दुल कुरैशी आ आए। हैदराबाद से एसआरजेड एंटरप्राइजेज के अब्दुर रहमान ने कार्यक्रम में शिरकत की।

Hindustan - 14 January 2024

PLF 1st Mushaira in association with Nawishta

MEHFIL-E-MUSHAIRA

Date & Time: Sunday, 17th July 2022 - 5.30 PM Onwards
Venue: Bhartiya Nritya Kala Mandir, Indoor Auditorium, Frazer Road, Near Bata Showroom, Patna

MEHFIL-E-MUSHAIRA

मेरा मकसद है दुनिया में मोहब्बत आम हो जाए...

महफिल-ए-मुशायरा

भारतीय नृत्य कला मंदिर सभागार में रविवार को आयोजित महफिल-ए-मुशायरा में कलाम पढ़ते शायर। ● हिन्दुस्तान

पटना, मुख्य संवाददाता। सुरों से सजी शाम थी और तरन्नुम की बरसात, रचनाओं में मानवता का ताना-बाना था तो इश्क की खुशबू से भरी गजल की गूंज थी...। भारतीय नृत्यकला मंदिर में रविवार की शाम पटना के श्रोतागण देश और दुनिया के 10 मशहूर शायरों की प्रस्तुति के गवाह बने।

मौका था पटना लिटरेरी फेस्टिवल और नविशता की ओर से आयोजित महफिल-ए-मुशायरा का। अंधेरों की हर एक साजिश यहां नाकाम हो जाए, उजाले हर तरफ हो रोशनी का नाम हो जाए, मेरी कोशिश तो नफरत को दिलों से दूर करना है, मेरा मकसद है दुनिया में मोहब्बत आम हो जाए...मशहूर शायरा शबीना अदीब ने अपनी शायरी से ऐसा समां बांधा कि लोग वाह-वाह कर उठे। शायर आलम खुर्शीद ने पढ़ा-मैं जिस जगह भी रहूंगा वहीं पे आएगा, मिरा सितारा किसी दिन जमीं पे आएगा, लकीर खींच के बैठी है तश्नगी मेरी , बस एक जिद है कि दरिया यहीं पे आएगा...इससे सभागार वाह-वाह से गूंज उठा।& असल रंग भरा पहले शायर शकील आजमी ने। उनके हर शेर पर लोग खड़े होकर दाद देते रहे। उन्होंने पढ़ा-परों को खोल जमाना उड़ान देखता है, जमीं पे बैठ के क्या आसमान देखता है, मिला है हुस्न तो इस हुस्न की हिफाजत कर, संभल के चल तुझे सारा जहान देखता है, कनीज हो कोई या कोई शाहजादी हो, जो इश्क करता है कब खानदान देखता है...।

दुबई से आए मूलतः पटना के रहने वाले शायर आहया भोजपुरी ने कुछ यूं कहा - मुआफी मांगने जाएं खुदा के घर लेकिन, खता हरम में हुई हो तो फिर किधर जाएं&...। पटना की शायरा प्रेरणा प्रताप ने उर्दू की मिठास से श्रोताओं को रूबरू कराया.. मुहब्बत ही बयां करती, मुहब्बत की जबां उर्दू, जो दिल को दिल बना दे वो इबादत की जबां उर्दू...।

संचालन कर रहे शायर अजहर इकबाल ने हिन्दी के तत्सम शब्दों का जादू मुशायरे में बिखेरा- अपनी मर्यादाओं का गुणगान करते रह गए, देशहित में देश का नुकसान करते रह गए, कोई उसको प्रेम की चादर उढ़ा कर ले गया, और हम संबंध का सम्मान करते रह गए, देवताओं के मुखौटे पहनकर आए असुर, और हम भोले बने विषपान करते रह गए...। नदी के शांत तट पर बैठकर मन, तेरी यादें विसर्जन कर रहा है...पर खूब तालियां बजीं।

शायर माधव नूर ने पढ़ा-अंधेरे काटने वाले उजाले बांटने वाले, जो उसके पास हो सूरज तो उस सूरज से मिलना है...। इस खूब वाहवाही मिली।

- भारतीय नृत्य कला मंदिर सभागार में हुआ पटना लिटरेरी फेस्टिवल की ओर से महफिल-ए-मुशायरा
- शबीना अदीब, आलम खुर्शीद, शकील आजमी , अज्म शाकीरी, अजहर समेत दस शायरों ने सुनाए कलाम

10 मशहूर शायरों की प्रस्तुति के गवाह बने राजधानी के लोग

अज्म शाकीरी की शायरी को पटना वालों ने खूब पसंद किया

शायरा सपना मूलचंदानी की शायरी दर्द दिल का उभर नहीं आता, जब तलक वो नजर नहीं आता और समझते हो अगर खुद को किराना, मुझे ऐसा करो दरिया समझ लो... पर खूब वाहवाही मिली। शायर अज्म शाकीरी की शायरी को पटना वालों ने खूब पसंद किया। उन्होंने अपनी रचनाओं से महफिल में जान डाल दी। सारे मौसम संजीदा हो जाते हैं, जिस दिन हमसे आप खफा हो जाते हैं...पर खूब तालियां बजीं। सरवर नेपाली ने बेशक लगा कर देख लें भरपूर जोर आप, हरगिज बना न पाएंगे कौए को मोर आप...सुनाकर वाहवाही बटोरी।

गणमान्य लोगों की मौजूदगी

इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य अतिथि पूर्व राज्यपाल निखिल कुमार, सेवानिवृत्त आईएएस व्यासजी और बज्मे सदफ इंटरनेशनल के चेयरमैन शहाबुद्दीन अहमद समेत कई गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। पूर्व राज्यपाल निखिल कुमार ने साहित्य और संस्कृति की समृद्धि के लिये ऐसे आयोजनों को जरूरी बताया। पटना लिटरेरी फेस्टिवल के सचिव खुर्शीद अहमद ने कहा कि ऐसे आयोजनों से यह कोशिश है कि पटना में फिर से उर्दू शायरी और अदब का बेहतर माहौल बनाया जाए। फेस्टिवल के अध्यक्ष और प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. एए हई ने कहा कि ऐसे आयोजनों से शहर में एक बेहतर माहौल बनता है। मौके पर उर्दू पत्रकारिता के लिये वरिष्ठ पत्रकार अशरफ फरीद को सम्मानित किया गया। शिक्षाविद इम्बेशात शौकत को मेडिकल क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिये सम्मानित किया गया। उनकी गैरमौजूदगी में उनकी पत्नी मुशर्रत परवीन ने सम्मान ग्रहण किया।

Hindustan - 18 July. 2022

Mushaira Kavi Sammelan PATNA

Mushaira Kavi Sammelan
Andaaz-E-Bayaan Aur Events, Dubai
The Royal Bihar Hotel, Patna
13th August 2023

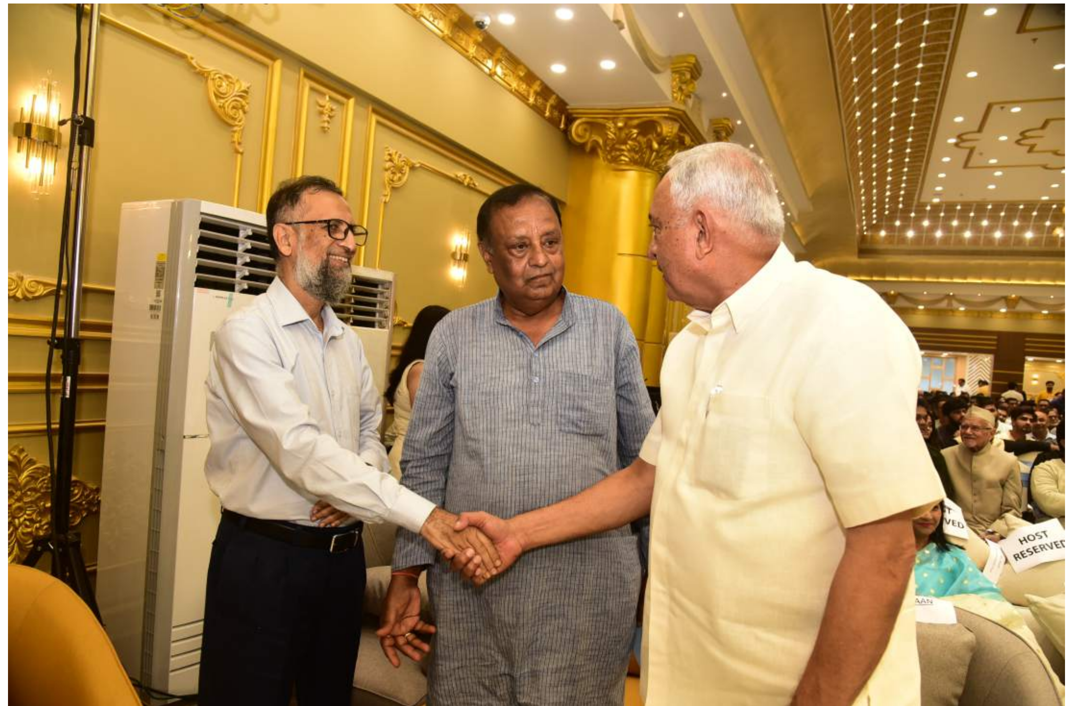

Mr. Amir Subhani, Chief Secretary Government of Bihar,
Mr. Anjani Kumar Singh, Director General Bihar Museum &
Former Chief Secretary of Bihar and
Devesh Chandra Thakur, Hon'ble Chairman of Bihar
Legislative Council at Hotel Royal Bihar

Mushaira Kavi Sammelan
PATNA

PATNA LITERARY FESTIVAL

PLF 2nd Mushaira

600 people and lit lover, enjoyed the Mushaira and Kavi Sammelan organised by Patna Literary Festival (PLF) at the Royal Bihar Hotel, Patna

Grand MUSHAIRA KAVI SAMMELAN

PLF, Patna Literary Festival
organised
Women's Mushaira & Kavi Sammelan
on eve of International Women's Day
7th March, 2024 at **Rabindra Bhawan, Patna**

PLF 3rd Mushaira

13 Eminent women Poets of National and International repute participated in this Women's Mushaira & Kavi Sammelan

Grand MUSHAIRA KAVI SAMMELAN

PATNA LITERARY FESTIVAL

इस जहां में कुछ नहीं था जब तलक औरत न थी....

कवयित्री सम्मेलन

पटना, मुख्य संवाददाता। प्यार की खूश्बू न थी, हसरत न थी, रंगत न थी, इस जहां में कुछ नहीं था जब तलक औरत न थी, जब तलक औरत नहीं थी इश्क की दौलत न थी, इस जहां में कुछ नहीं था, जब तलक औरत न थी... देश की नामचीन शायरा शबीना अदीब ने जब यह तरन्नुम लहजे में इस गजल को पढ़ना शुरू किया तो रवीन्द्र भवन तालियों से गूंजायमान हो गया। मौका था महिला दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित कवयित्री सम्मेलन और मुशायरे का। पटना लिटरेरी फेस्टिवल (पीएलएफ) के इस आयोजन में एक से बढ़कर एक गजल नामचीन हस्तियों ने पढ़ीं। महिला मुशायरा का उद्घाटन रूबन मेमोरियल अस्पताल के प्रबंधक निदेशक डॉक्टर सत्यजीत सिंह, निदेशक बिभा सिंह यासिर इमाम , डॉक्टर आयशा फातिमा सहित अन्य अतिथियों मिला दीप प्रज्वलित कर दिया। पटना की शायरा प्रेरणा प्रताप ने यह शेर पढ़कर खूब तालियां बटोरी.. हादसों ने मुझे सिखा दिया मुझको जिस तरफ खौफ हो उधर जाना..। नाम तेरे सब शहद से मीठे, अम्मा अम्मी माई मां.. रचना पढ़कर शायरा प्रेरणा प्रताप ने मां की ममता और समर्पण का भाव प्रस्तुत किया। शायरा लता हया ने जब यह गजल पढ़ी.. चटक गई जो ये शीशियां तो बिखर बिखरकर गजल कहूंगी.. तो पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। मुशायरे का संचालन डॉक्टर शगुफ्ता यासमीन ने किया जबकि अध्यक्षता मशहूर शायरा तारा इकबाल ने की। कार्यक्रम का संचालन दूरदर्शन दिल्ली की एंकर तपस्या ने किया। गुजरात से आई शायरा फौजिया रबाब ने पढ़ा कि इश्क भी करना है घर के काम भी, ये मुसीबत भी नई है इन दिनों। बरैली की वरिष्ठ शायरा तारा इकबाल ने पढ़ा कि मुंतशिर मै तो मेरा अक्स मुकम्मल कैसे, आईना तुझसे ज्यादा झूठा नहीं देखा मैने..। फौजिया रबाब ने पढ़ा कि जिस्म मिट्टी है, जान औरत है, धूप में सायबान औरत है..।

महिला दिवस की पूर्व संध्या पर गुरुवार को कवयित्री सम्मेलन मौजूद महिलाएं। • हिन्दुस्तान

महिलाओं के बगैर पुरुषों का जीवन अधूरा: खुर्शीद अहमद

पीएलएफ के फाउंडर और सचिव खुर्शीद अहमद ने कहा की महिलाओ के बगैर पुरुषों का जीवन अधूरा है। उनके सम्मान में महिला मुशायरा व कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। डॉक्टर आईशा फातिमा व अन्य गणमान्य लोगों ने अतिथियों का मोमेंटो देकर सम्मानित किया। मंच पर यासिर इमाम, डॉ. आशीष सिंह, शिल्पी सिंह और पूर्व चीफ जस्टिस झारखंड रवि रंजन व अन्य मौजूद थे।

Hindustan - 08 March 2024

Jashn-e-Bihar

CELEBRATING CULTURE

Event Photographs of

Ustaad Shujaat Khan Concert

With PLF Patna Literary Festival and
Department of Art, Culture & Youth,
Government of Bihar
At Urja Auditorium, Patna on 18 Feb, 2024.

PLF Musical Concert

18th February, 2024 at Urja Auditorium, Patna

PLF Musical Concert

जश्न-ए-बिहार कार्यक्रम | सजी उस्ताद शुजात हुसैन खान की ग़ज़लों की महफ़िल

ज़िंदगी से बड़ी सजा ही नहीं और क्या जुर्म है पता ही नहीं... सुनाकर सबका दिल जीता

सिटी रिपोर्टर . पटना

कला-संस्कृति एवं युवा विभाग के जश्न-ए-बिहार कार्यक्रम के तहत ऊर्जा ऑडिटोरियम में मशहूर शायर, सितार नवाज और प्रसिद्ध गजल गायक उस्ताद शुजात हुसैन खान के संगीत की महफिल सजी। कार्यक्रम का उद्घाटन कला, संस्कृति एवं युवा विभाग की अपर मुख्य सचिव हरजोत कौर, आलोक राज, पुलिस महानिदेशक, विजिलेंस, विनय कुमार, पुलिस महानिदेशक सह अध्यक्ष बिहार राज्य पुलिस निर्माण निगम, उस्ताद शुजात हुसैन खान एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत में उस्ताद शुजात हुसैन खान ने सितार के धुनों से श्रोताओं को मोह लिया। सितार के बाद उन्होंने प्रसिद्ध ग़ज़ल जिन्दगी से बड़ी सजा ही नहीं और क्या जुर्म है पता ही नहीं..., छाप तिलक सब छीनी रे मोसे नैना मिलाइ के... एवं अन्य नगमों की प्रस्तुति दी। उस्ताद शुजात हुसैन खान ने कहा कि मुझे भी ख़ुशी है कि कार्यक्रम में उनके साथ प्रसिद्ध तबला वादक अमजद खान और शारिक मुस्तफा ने संगत किया। कार्यक्रम में वरीय पदाधिकारियों, सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों, कला प्रेमियों सहित लगभग 800 लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन कला-सांस्कृतिक विभाग की निदेशक रूबी ने किया। मंच संचालन सोम चक्रवर्ती ने किया। कार्यक्रम का आयोजन पटना लिटरेरी फेस्टिवल (पीएलएफ) के सहयोग से किया गया।

इस अवसर पर कला-संस्कृति एवं युवा विभाग की अपर मुख्य सचिव हरजोत कौर ने बताया कि जश्न-ए- बिहार कार्यक्रम कला, संस्कृति एवं युवा विभाग की एक नई शुरुआत है जिसके माध्यम से गायन, वादन और साहित्य जैसी विधाओं को एक मंच पर लाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही इसके अंतर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करवाएं जाएंगे। इसकी शुरुआत आज उस्ताद शुजात हुसैन खान जी के कार्यक्रम से हो रही रही है।

Dainik Bhaskar - 19 Feb. 2024

PATNA LITERARY FESTIVAL

दो शास्त्रीय संगीतकार एक शाम

Friday, 21st June 2024, 6.00 PM

Healing with Music

Pt. Rupak Kulkarni

Pt. Mithilesh Jha

दो शास्त्रीय संगीतकार एक शाम

Healing with Music

MEDIA COVERAGE

PATNA LITERARY FESTIVAL

PATNA LITERARY FESTIVAL

हिन्दुस्तान

तबले की थाप पर झूमे श्रोता, बांसुरी की स्वरलहरियों ने मनमोहा

पटना, मुख्य संवाददाता। बिहार संग्रहालय के सभागार में शनिवार की शाम शास्त्रीय संगीत की अद्भुत छटा बिखरी। पटना लिटरेरी फेस्टिवल की ओर से आयोजित कार्यक्रम में एक ओर बांसुरी की स्वरलहरियों के बीच श्रोताओं का मन डूबता उतराता रहा तो कभी तबले की थाप पर पांव थिरकते रहे। 90 मिनट की प्रस्तुति के दौरान कई ऐसे मौके आए जब श्रोता दीर्घा की तालियां मंच की प्रस्तुति का संगत करती रहीं। मौके पर देश के नामचीन बांसुरी वादक पंडित रूपक कुलकर्णी ने अपनी प्रस्तुति से मन मोह लिया। इससे पहले विश्व संगीत दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम दो शास्त्रीय संगीतकार एक शाम कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

बिहार संग्रहालय में शुक्रवार को पटना लिटरेरी फेस्टिवल में धरोहर कार्ड जारी करते अंजनी कुमार सिहं, डॉ. सत्यजीत सिंह व अन्य।

तबले और बांसुरी पर प्रस्तुति देते कलाकार। • हिन्दुस्तान

मुख्य अतिथि के रूप में बिहार संग्रहालय के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह ने शुभकामना दी।

शहर में फिर से सजेगी संगीत की महफिल : कार्यक्रम का उद्घाटन करते फेस्टिवल के अध्यक्ष व रूबन मेमोरियल अस्पताल के प्रबंधक डा. सत्यजीत सिंह ने पटना की प्राचीन कला संस्कृति को फिर से स्थापित करने पर जोर दिए। उन्होंने कहा कि पुराने दिनों में दशहरा के मौके पर चौक-चौराहे पर शास्त्रीय संगीत की महफिल सजती थी। देश के नामचीन व विभिन्न संगीत घरानों से जुड़े कलाकारों को सुनने के लिए पूरा शहर रात भर जगता था। इसी शास्त्रीय संगीत की परंपरा को फिर से जीवित करना है। इस वर्ष दुर्गापूजा के मौके पर 10, 11 एवं 12 अक्टूबर को शास्त्रीय संगीत की महफिल सजेगी। डॉ. सत्यजीत सिंह ने कहा कि जीवन में संगीत होना बेहद जरूरी है। बिहार संग्रहालय के अपर निदेशक अशोक कुमार सिन्हा ने कहा कि पटना की पुरानी परंपरा को पुनर्जीवित करना होगा। फेस्टिवल के सचिव खुर्शीद अहमद ने कहा कि पीएलएफ अब नए अंदाज, नयी सोच और नई उमंग के साथ कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

Hindustan - 22 June 2024

Kalopsia

SINA FAKHRODDIN | **NIKOLINA NIKOLESKI**
(Famous Percussion Artist from Iran) | (Perhaps the most famous Ballerina)

05th October, 2024 at Bihar Museum Amphitheater, Patna

Kalopsia

MEDIA COVERAGE

PATNA LITERARY FESTIVAL

हिन्दुस्तान

'पंचतंत्र से ही बिहार को खूबसूरत बना सकते हैं'

मैं हूं बिहार

बिहार संग्रहालय में शनिवार को मै हूं बिहार कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, पद्मश्री शोभना नारायण, डॉ. सत्यजीत सिंह, अंजनी कुमार सिंह, सुष्मिता सिंघा, मंजर भोपाली व अन्य । ● हिन्दुस्तान

पटना,हिप्र। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि पंचतंत्र अपना कर ही बिहार को खूबसूरत बनाया जा सकता है। वे शनिवार को बिहार संग्रहालय में 'मैं हूं बिहार' के चौथे एपिसोड 'मेरी धरोहर, मेरी कलाः संस्कृति बिहार की' के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

डायलॉग प्रोग्राम में पटना में पहली बार एक शो का आगाज हुआ। इसमें सिना ईरान के प्रसिद्ध तालवादक फखरुद्दीन एवं कलाकार निकोलिना निकोलेस्की बैलेरीना ने प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि श्री सिन्हा ने कहा कि खुर्शीद अहमद के उठाए गए कदम तारीफ के काबिल है। सम्मानित अतिथि मुख्य डाक महाप्रबंधक अनिल कुमार, प्रख्यात पैनलिस्ट पद्मश्री शोभना नारायण, म्यूजियम के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह, सुष्मिता सिंघा, पीएलएफ के डॉ.सत्यजीत सिंह, कवि मंजर भोपाली और मॉडरेटर एंकर आरजे राहुल ने भी राय रखी। एडवांटेज सविर्सेज के संस्थापक और सीईओ खुर्शीद अहमद ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य सहयोगकर्ता में एसबीआई भूटानी एनकेजैन ,बीआईए, पटना लिट्रेरी फस्टिवल, रूबन मेमोरियल अस्पताल, मेदांता अस्पताल,खादी इंडिया,पिनएक्स, अमल्फि, अनूप इंस्टीट्यूट ऑफ ऑर्थोपिडिक्स,सवेरा अस्पताल इत्यादि के प्रतिनिधि थे।

Hindustan - 06 Oct. 2024

धरोहर
पीएलएफ की सांस्कृतिक प्रस्तुति

PATNA LITERARY FESTIVAL

Pt. Tarun Bhattacharya (Santoor) Pt. Ronu Manumdar (Bansuri),
Pt. Mithilesh Jha (Tabla)

13th October, 2024 at Bihar Museum Amphitheater, Patna

धरोहर
पीएलएफ की
सांस्कृतिक प्रस्तुति

PATNA LITERARY FESTIVAL

MEDIA COVERAGE

PATNA LITERARY FESTIVAL

PATNA LITERARY FESTIVAL

हिन्दुस्तान

संतूर-बांसुरी की युगलबंदी से तरंगित हुए श्रोता

धरोहर

पटना, मुख्य संवाददाता। पटना लिटरेरी फेस्टिवल की ओर से दुर्गा पूजा के मौके पर रविवार को बिहार संग्रहालय के एम्फीथिएटर में ''धरोहर'' हुआ। संतूर पर पंडित तरुण भट्टाचार्य और बांसुरी पर पंडित रोनू मजूमदार की जुगलबंदी ने रस की बरसात की।

वहीं तबला पर पंडित मिथिलेश झा की संगत ने आयोजन को भव्य बना दिया। इससे पहले युवा कलाकार तबला तरंग और कथक प्रवाह की प्रस्तुति ने आयोजन में रंग भरा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, विशिष्ट अतिथि बिहार संग्रहालय के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे। कार्यक्रम का आरंभ युवा कलाकारों द्वारा तबला तरंग और कथक प्रवाह से हुआ। तबला पर गुरु अजय कुमार ठाकुर के साथ रिशभ कुमार, लक्की कुमार, अवि, टोनी और तालांजय ने संगत किया, जबकि कथक प्रवाह में मिथु, नंदिनी, धुमाली, तिब्रा और नृत्यांगना ने प्रस्तुति दी। दूसरे कार्यक्रम में संतूर पर पंडित तरुण भट्टाचार्य और बांसुरी पर पंडित रोनू मजूमदार की जुगलबंदी की शानदार प्रस्तुति हुई। इस मौके पर पीएलएफ के अध्यक्ष और रुबन मेमोरियल के डायरेक्टर डॉ. सत्यजीत सिंह, कार्यक्रम के संयोजक मनीष सिंह ठाकुर, सदस्य फैजान अहमद, पंकज चौधरी, राकेश रंजन, ओबैदुर रहमान, शिवजी चतुर्वेदी और अपूर्व हर्ष व अन्य मौजूद थे।

धरोहर कार्यक्रम में संतूर पर तरुण भट्टाचार्य व बांसुरी पर पं. रोनू मजूमदार।

Hindustan - 14 Oct. 2024

Thank you

Contact :

Khurshid Ahmad

Founder and Secretary PLF Patna literally

Phone : 99340 21693

Email : advantage.khurshid@gmail.com and khurshid.advantage@gmail.com